इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक २ मार्च, २००८ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था – सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी – सत्संग प्रारंभ

जनवरी, २००८ **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुणांक : १००**

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ । **बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी ।**

स्वामिनारायण
BAPS

इस कोष्टक में
प्रारंभ (हिन्दी)
का स्टीकर लगाएँ ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर **लगाने का नहीं है ।**

☞ **परीक्षार्थी के विवरणयुक्त स्टीकर पर बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

निम्न लिखित सूचना परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की उम्र .....

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-**

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपना विवरणयुक्त स्टीकर प्राप्तकर अपनी उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर लगाकर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुणांक दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

५. अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

६. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

७. प्रश्न के गुण → गुण : १ ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण रखने की जगह

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (५)	
	२ (८)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (६)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (५)	
	८ (८)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१२ (७)	
	१३ (६)	
	१४ (६)	
	१५ (८)	
	१६ (५)	
	१७ (५)	
विभाग-३, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

विभाग – १ : घनश्याम चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. हलवाई को घनश्याम कैसे लगे ?

.....

२. किसने घनश्याम को रस्सी से बाँध दिया ?

३. घनश्याम के हाथ में से बन्दर क्या लेकर चला गया ?

४. घनश्याम ने सरयू के किनारे पर सब को किस पर बिठा दिया ?

५. पागल हाथी किसके पीछे दौड़ा ?

प्र. २ निम्नलिखित विधान कौन, किसको कहता है यह लिखिए । **(८)**

१. ''तू चिड़िया बनकर घनश्याम के घर के दरवाजे के पास बैठ जा ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

.२. ''आप तो स्वयं भगवान हैं, मेरे पाप नष्ट कर दीजिए ।''

३. ''कृपया मेरे प्यारे पुत्र का नामकरण कीजिए और उसका भविष्य बताइए ।''

४. ''चलो, हम लोग पानी में पकड़दाँव खेलें ।''

प्र. ३ कोष्टक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द पसंद करके रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(५)**

१. घनश्याम ने बन्दर को ..... दिन तक समाधि में रखा । (चार , सात, तीन)

२. घनश्याम के दोनों चरणों में ..... अँगूठा और तर्जनी के बीच होकर पैर के तलवे की ओर जाती है । (उर्ध्वरेखा, पदमरेखा, आयुष्यरेखा)

३. धर्मदेव ने चौकी पर ..... रखी । (ढाल , तलवार, कुलहाडी)

४. धर्मपिता की आज्ञा से घनश्याम ने ..... में शास्त्रविवाद का निर्णय दीया । (हरिद्वार, काशी, अयोध्या)

५. रामप्रतापभाई घनश्याम को ढूँढने ..... गए । (हनुमानगढ़ी, रामजी मन्दिर, विद्याकुंज)

प्र. ४ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी <u>एक</u> प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए ।
(विवरण आवश्यक नहीं है।) **(५)**

१. हज़ारों को जिमाया । २. बन्दर को समाधि । ३. सारी रसोई खा गए ।

( ) १. .....

.....

२. .....

.....

३. .....

.....

४. .....

.....

५. .....

.....

प्र. ५ विभाग 'ब' में से योग्य विकल्प के क्रमांक को पसंद करके विभाग 'अ' के सामने दिए गए कोष्ठक में (केवल जवाब का क्रमांक) लिखकर जोड़ बनाइए । (५)

विभाग अ		विभाग ब
१. व्रजविहारी	☐	१. तगडा और ऊँचा पहलवान ।
२. मोहनदास	☐	२. किसी भी समय दूध देती थी ।
३. महाबलि	☐	३. जंगल में खो गई ।
४. गोमती	☐	४. अन्धे को आँखे दी ।
५. गौरी	☐	५. एकादशी का महत्त्व ।

प्र. ६ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (६)

१. शेर के चमडे में से शेर जीवित हो गया ।

.....

.....

.....

२. रामदयाल आश्चर्यचकित हो गए ।

३. सुवासिनी भाभी ने घनश्याम को रसोईघर के पीछे के भाग में बुलाया ।

विभाग - २ : योगीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (५)

१. खेत का मालिक झीणा की माँ को कया कहता था ?

.....

२. लंडन की किस नदी को योगीजी महाराज ने गंगातुल्य पवित्र बनाया ?

३. किस वर्ष की उम्र में शास्त्री नारायणस्वरुपदासजी को अध्यक्षपद पर नियुक्त किया गया ?

४. युवक क्या करें तो योगीजी महाराज अति प्रसन्न हो जाते थे ?

५. नारायणधरा पर किसने योगीजी महाराज का अपमान किया ?

प्र. ८ निम्नलिखित विधान कौन, किसको कहता है यह लिखिए । (८)

१. ''नये मित्रों को, युवकों को प्रेरणा दो, उन्हें साथ मे ले आओ तथा कथा वार्ता सुनाओ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

२. ''साधु बनाएं तो बड़ी कृपा होगी । मेरी भी यही इच्छा है ।''

३. ''तुम अक्षरपुरुषोत्तम सिद्धांत तथा उनकी सेवा की भावना सारे जगत में फैलाओ ।''

४. ''क्षमा कीजिएगा, मुझसे बड़ा भारी अपराध हो गया, आपको समय पर मैं जल नहीं दे सका ।''

प्र. ९ कोष्टक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द पसंद करके रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (५)

१. योगीजी महाराज ने संवत् २०१८ में वैशाख शुक्ला सप्तमी को ..... में भव्य मन्दिर का निर्माण करके मूर्तियों की प्रतिष्ठा की । (अहमदाबाद, बम्बई, मेहलाव)

२. चोरी करना, भगवान को ..... है । (खुश करना, ठगना, बिनती करना)

३. योगीजी महाराज के पास भगवान ..... की मूर्ति थी । (स्वामिनारायण, श्रीकृष्ण, श्रीराम)

४. योगीजी महाराज अक्षरदेहरी में 'साधु और सत्संग बढे' इसके लिए ..... में धुन करते थे ।
(महापूजा, पूजा, सभा)

५. रोज सुबह झीणाभाई ध्यान करने बैठते थे, वह जगह ..... के नाम से जानी जाती है ।
(त्रिवेणी संगम, शेत्रुंजी नदी, पतालिया झरना)

प्र.१० निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी <u>एक</u> प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए ।
(विवरण आवश्यक नहीं है।) **(५)**

१. मन्दिर की सेवा में । २. प्रथम मिलन । ३. ठाकुरजी की सेवा ।

( ) १. .....
.....

२. .....
.....

३. .....
.....

४. .....
.....

५. .....
.....

प्र.११ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. योगीजी महाराज ने जूनागढ़ का मन्दिर छोड़ दिया ।
.....
.....
.....

२. पुरीबाई ने झीणाभाई को अन्तिम बार मीठा मुँह कराया ।

३. गरासिया हरिभक्त के आगे झीणा भगत ने अपना पैर छुपा दिया ।

विभाग - ३ : किशोर सत्संग प्रारंभ

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(७)**

१. भगवान के सच्चे भक्त का आचरण कैसा होता है ?
.....

२. मन को पवित्र रखने के लिए क्या करना चाहिए ?

३. पूँजा भक्त को किस की महिमा थी ?

४. धुन करते समय किस का स्मरण करना चाहिए ?

५. महाराज क्या सहन नहीं कर सकते ?

६. गुणातीतानंद स्वामी कब और कहाँ स्वधाम पधारे ?

७. भोलानाथ ने मुलजी को खेलने और मौज़ करने के लिए कहा, तब मूलजी ने क्या कहा ?

प्र.१३ नीचे दिए हुए वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । **(६)**

१. मुसलमान बाई ने महाराज को भोजन के लिए आग्रह किया । ☐
.....

२. श्रीजीमहाराज सोढ़ी गाँव की बीबी के हाथ की बनी रसोई की प्रशंसा करते थे ।
३. सत्संगी बच्चे अपने भाई-बहनो के साथ विवाद करते हैं ।
४. ब्रह्मा पानी बरसाते हैं, इसलिए हमें अनाज, कपडे मिलते हैं ।
५. दादा खाचर के पशुओं की देखभाल करने के लिए महाराज ने जोधा अहीर को नियुक्त किया था ।
६. वजीबा जब वडताल गई तब सच्ची बात जानकर बहुत प्रसन्न हुई ।

प्र.१४ कोष्टक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द पसंद करके रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (६)

१. शूरवीर बालभक्त के चल बसने की बात श्रीजीमहाराज ने ..... में सुनी । (सारंगपुर, जामनगर, गढड़ा)

२. स्वयं यमराज आ जाय, तो उन्हें मारकर भगाने की बात महाराज ने ..... स्वामी से की ।
(गोपालानंद, सच्चिदानंद, सत्यानंद)

३. ..... भक्त जैसे भक्त की सच्ची भावना की महाराज बहुत प्रशंसा करते थे । (नाथ , पूँजा, देवजी)

४. रामानंद स्वामी और नीलकंठ ब्रह्मचारी की भेंट ..... में हुईं । (लोज, सौराष्ट्र, पीपलाणा)

५. डुंगरभक्त को ..... ने साधु की दीक्षा दी ।
(विज्ञानानंद स्वामी, आचार्यश्री विहारी लालजी महाराज , आचार्य श्री श्रीप्रतिप्रसादजी महाराज)

६. 'नारायण' शब्द सुनते ही ..... भाग गये । (देवदूत, यमदूत, राजदूत)

प्र.१५ निम्नलिखित कीर्तन / श्लोक / अष्टक की अपूर्ण पंक्तियों की पूर्ति कीजिए । (८)

१. ''अक्षरधाम के धामी .....
.....
.....
..... भवभयहारी ।''
२. ''हम सभी श्रीजी की ..... मुक्ति के लिए ॥''
३. ''श्रीमर्न्निगुणमूर्तये ..... ब्रह्मात्ममुक्ताय ते ॥''
४. ''जो साधुगुण युक्त ..... नमूँ स्नेह से ॥''

प्र.१६ निम्नलिखित में से किसी भी <u>एक</u> 'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए । (दस पंक्तियाँ) (५)

१. प्रेमभक्ति से भगवान का स्मरण..... २. लाख काम बिगड़ जायें.....

( ) .....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१७ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल <u>पाँच</u> सही वाक्य को ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके क्रमांक लिखें । (५)

विषय : विजापुर की वजीबा

१. वजीबा मानती थी कि साधु-संतो में भगवान का निवास है । उनके प्रति दुर्भाव नहीं रखना चाहिए । **२.** श्रीजीमहाराज के परमहंस कृपानंद स्वामी ने महाराज की महिमा की बातें की, यह सुनकर वजीबा सत्संगी बनी । **३.** ''हम स्वामिनारायण का नाम और पीछा कभी नहीं छोड़ेगें ।'' **४.** ''अपना कल्याण चाहते हो तो स्वामिनारायण की शरण लो ।'' **५.** ''हमें कुछ रुपये चाहिए, आप देंगे ?'' **६.** ''सामनेवाले कमरे में जो रंगीन पलंग है, वही दे दो न !'' **७.** महाराज के दाँयें पैर के अँगूठे से तेज़ निकलने लगा । **८.** ''हे महाराज ! आज तक गलती से मैं ऐसा बोलती थी, लेकिन रामानंद स्वामी ने दर्शन देकर मुझे ज्ञान दिया ।'' **९.** ''पीपल को छूनेवाले यही पैर थे या दुसरे ?'' **१०.** ''तुम सच्ची भक्त हो । हम तो तुम्हारी परीक्षा लेने आये थे ।''

केवल क्रमांक - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐